ClassRoom Notes

वर्ण-विचार

⇒ भाषा की सबसे छोटी इकाई – स्वनिम/वर्ण (1) (2)

⇒ उच्चारित रूप में भाषा की सबसे छोटी इकाई = ध्वनि

⇒ लिखित रूप में भाषा की सबसे छोटी इकाई = वर्ण

⇒ लिखित व उच्चारित में भाषा की सबसे छोटी इकाई = वर्ण

⇒ भाषा की सबसे छोटी सार्थक इकाई = शब्द

स + अर्थ + अक

⇒ महर्षि पाणिनी के अनुसार

⇒ वाक्य

'भाषा'

भाष् + आ

प्रकट करना
व्यक्त करना

वर्ण-विचार

परिभाषा :- मुँह से निकलने वाली वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके आगे और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते।

जैसे :- अ, आ, क्, ज्, न् इत्यादि।

Note :- हिन्दी वर्णमाला में
- → 11 स्वर
- → 33 व्यञ्जन
- = 44

→ देवनागरी लिपि के अनुसार
- → 11 स्वर
- → 02 अयोगवाह ध्वनि
- → 33 व्यंजन
- → 04 संयुक्ताक्षर
- → 02 - उत्क्षिप्त
- = 52

⇒ अंगरेज़ी (अंग्रेजी) भाषा से ग्रहीत
स्वर = ऑ - स्वनिम्

⇒ अरबी व फारसी भाषा से ग्रहीत = 05
क़ ख़ ग़ ज़ फ़
नुक्ता

हम वर्णों को दो भागों में बाँट सकते हैं - 1) स्वर 2) व्यञ्जन

सम् + धि (अ इ)
→ व्यंजन + स्वर
→ व्यंजन + व्यंजन

① स्वर :- शाब्दिक अर्थ :- स्वर्ग / आकाश / परलोक

परिभाषा :- वे ध्वनियाँ जिन्हें उच्चारित करने के लिए किसी अन्य ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती। [स्वतंत्र ध्वनियाँ ही स्वर हैं]

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

क् + ऐ = कै

ऋ + इ : रि
ध्वनित रूप

<1> मूल / रूढ़ स्वर :- ⇒ 04 [अ, इ, उ, ऋ]

अन्य नाम :- ह्रस्व / लघु स्वर

गुण स्वर (2)
1. ए = अ/आ + इ/ई
2. ओ = अ/आ + उ/ऊ

वृद्धि स्वर (2)
3. ऐ = अ/आ + ए/ऐ
4. औ = अ/आ + ओ/औ

→ दो असमान स्वरों से मिलकर बनें
दीर्घ स्वर = 04
→ विजातीय दीर्घ स्वर

<2> यौगिक स्वर :- = 07 [दीर्घ / गुरु स्वर]

दीर्घ संधि विधायक स्वर ⟸

आ = अ/आ + अ/आ
ई = इ/ई + इ/ई
ऊ = उ/ऊ + उ/ऊ

⇒ दो समान स्वरों से मिलकर बनें दीर्घ स्वर = 03
⇒ सजातीय दीर्घ स्वर

अंगरेजी भाषा से ग्रहीत
ऑ

स्वरों का उच्चारण स्थान

अ / आ , इ / ई , उ / ऊ , ऋ , ए - ऐ , ओ - औ

ए, ऐ
अ + इ
कण्ठ तालु
⇒ कण्ठतालु

अं
नासिका

मूर्धा [ऋ]

ओ, औ
अ + उ
कण्ठ ओष्ठ
⇒ कण्ठोष्ठ

ओष्ठ
उ, ऊ

तालु [इ, ई]

दन्त

कण्ठ [अ, आ, अः]

अँ - अनुनासिक

ऑ = आ तथा ओ के बीच की ध्वनि